बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

ekfld ifrosnu

जनवरी 2019

fcgkj jkT; vkink izca/ku izkf/kdj.k

¼vkink izca/ku foHkkx] fcgkj ljdkj½

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

fo"k; lwph   i`"B la-

(A) vfHk;ksxkRed@okLrfod@lwpukRed@jkT;Lrjh; HkwdEijks/kh fuekZ.k rduhd ls lEcaf/kr izf'k{k.k 1&2

(B) eq[;ea=h fo|ky; lqj{kk dk;Zdze 3&6

(C) ukfodksa ,oa uko ekfydksa izf'k{k.k 7

(D) ukfodksa ds fuca/ku gsrq fuca/kdksa@losZ{kdksa dk izf'k{k.k 8

(E) NB iwtk 2018 vk;kstu ds fy, dh xbZ rS;kfj;ksa ds ckjs esa ifjppkZ ,oa iwoZ[kuA 9

(F) lM+d lqj{kk lIrkg ¼04&10 Qjojh½ dh rS;kjh cSBd 9

(G) vkink tksf[ke U;wuhdj.k ,oa izca/ku fo"k; ij izpk;Z ifrfuf/k;ksa dk izf'k{k.k dk;Zdze 10&11

(H) vkink tksf[ke U;wuhdj.k ,oa izca/ku fo"k; ij fcgkj ds lHkh ftyksa ds p;fur iz[k.Mksa ds izeq[k ,oa ftyk ifj"kn v/;{k dk jkT; Lrjh; izf'k{k.k dk;Zdze 12—14

(I) **"Management of Animal in Emergencies"** विषय पर बिहार पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग के पशु चिकित्सकों का चार दिवसीय प्रशिक्षण। 15&16

(J) HkwdEi lqj{kk lIrkg] ¼15&21 tuojh½ 17&18

(K) lkeqnkf;d Lo;alsodksa dk vkink fjLikal ij izf'k{k.k dk;Zdze 19

(L) **"Sustainable Reduction in Disaster Risk (SRDR)"** **20**

(M) fcgkj HkwdEiekih r= dk izxfr fooj.k 21

(N) **Mass Messaging/Whatsapp Advisory** 22&25

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

Mason Training on18-24 January 2019 at Nalanda District

ekfld ifronu ¼tuojh] 2019½

(A) vfHk;arkvksa@okLrqfonksa@lsondksa@jktfeL=;ksa dks HkwdEijks/kh fuekZ.k rduhd ls lacaf/kr izf'k{k.kA

¼1½ दिनांक 03 से 09 जनवरी 2019 को वैशाली जिला के सभी सोलह प्रखंडों (हाजीपुर, लालगंज, भगवानपुर, वैशाली, पेटढ़ी बेलसर, गोरौल, महुआ, चेहरा कला, राजा पाकार, देसरी, सहदई बुजुर्ग, बिदुपुर, राघोपुर, महनार, जन्दाहा एवं पातेपुर) में कुल मिलाकर 453 jktfeL=;ksa को प्रशिक्षित किया गया।

¼2½ दिनांक 15 जनवरी 2019 को राजमिस्त्रियों के भावी प्रशिक्षक तैयार करने के लिए एक दिवसीय Refresher Course सम्पादित किया गया। इस कार्यक्रम में 56 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया।

¼3½ दिनांक 18–24 जनवरी 2019 को नालन्दा जिला के तेरह प्रखंडों (करायपरशुराय, हिलसा, थरथरी, एकंगरसराय, ईस्लामपुर, परबलपुर, बेन, नगरनौसा, चांदी, नूरसराय, हरनौत, रहुई एवं बिहारशरीफ) में कुल मिलाकर 387 jktfeL=;ksa को प्रशिक्षित किया गया।

¼4½ दिनांक 25 जनवरी 2019 को राजमिस्त्रियों के भावी प्रशिक्षक तैयार करने के लिए एक दिवसीय Refresher Course सम्पादित किया गया। इस कार्यक्रम में 55 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया।

¼5½ दिनांक 28–31 जनवरी 2019 को शेखपुरा जिला के 24 असैनिक अभियंताओं को भूकम्परोधी भवनों के विषय पर प्रशिक्षित किया गया।

पूर्व में दिसम्बर 2018 तक कुल 3413 jktfeL=;ksa एवं 1263 vlSfud vfHk;arkvksa को प्रशिक्षित कर लिया गया था।

इस प्रकार जनवरी 2019 तक कुल 3413+453+387 ¾ 4253 jktfeL=;ksa एवं 1263+24 = 1287 vlSfud vfHk;arkvksa को प्रशिक्षित किया गया।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

tuojh 2019 esa lapkfyr dk;Øeksa dk fooj.k

Mason Trainers Training / Refresher at Pant Bhawan			
Sr.	**Name of Program**	**Training Date**	**No. of Participants**
1	Refresher Course	15 January	56 Mason Trainers
2	Refresher Course	25 January	55 Mason Trainers

7 days block level mason training at Vaishali District			
Sr. No.	**Name of Block**	**Training Date**	**No. of mason trained**
1.	Rajapakar	03-09 January 2019	28
2.	Raghopur		28
3.	Patepur		27
4.	Desri		29
5.	Sahdei Buzurg		29
6.	Jandaha		26
7.	Bidupur		30
8.	Mahnar		30
9.	Hajipur		27
10.	Bhagwanpur		29
11.	Goraul		28
12.	Patedhi Belsar		29
13.	Vaishali		28
14.	Lalganj		29
15.	Chehar Kala		28
16.	Mahua		28
		Total	**453**

7 days block level mason training at Nalanda District			
Sr. No.	**Name of Block**	**Training Date**	**No. of mason trained**
1.	Karaiparsurai	18-24 January 2019	30
2.	Hilsa		29
3.	Tharthari		30
4.	Ekangarsarai		30
5.	Islampur		30
6.	Parbalpur		30
7.	Ben		30
8.	Nagar Nausa		29
9.	Chandi		30
10.	Noorsarai		30
11.	Harnaut		30
12.	Rahui		30
13.	Biharshrif		29
		Total	**387**

4 days Engineers Training in districts			
Sr. No.	**Name of District**	**Training Date**	**No. of engineers trained**
1.	Sheikhpura	28-31 January 2019	No. of Engineers trained: 24

(B) e[;e=h fo|ky; lj{kk dk;Øe

1- jkT; ,o ftyk Lrjh; çf'k{k.k dk;Øe

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य स्तरीय गतिविधियों, यथा, प्रत्येक जिलों के मास्टर प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (29 जनवरी से 19 अप्रैल) एवं जिला स्तरीय पदाधिकारियों के एक दिवसीय उन्मुखीकरण (14 मई से 19 मई) के पश्चात बिहार के जिलों में जिला स्तरीय मास्टर प्रशिक्षकों का 3 दिवसीय कार्यक्रम दिनांक 21 मई से प्रारम्भ हुआ। सभी 38 जिलों में जिला स्तरीय मास्टर प्रशिक्षकों का 3 दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हो गया है।

अभी तक राज्य स्तर पर 605 मास्टर प्रशिक्षकों को तैयार किया गया है एवं जिला स्तर पर 4231 मास्टर प्रशिक्षिकों के प्रशिक्षण की सूचना प्राप्त है।

2- ç[kM Lrjh; çf'k{k.k

इस कार्यक्रम के तीसरे चरण में विद्यालयवार फोकल शिक्षकों का प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम जनवरी माह तक गोपालगंज जिले को छोड़कर सभी 37 जिलों में संपन्न हो चुका है। इस चरण में सभी विद्यालयों से एक–एक फोकल शिक्षक को प्रशिक्षित किया जाना है।

अभी तक प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में 44,922 फोकल शिक्षकों के प्रशिक्षण हो जाने की सूचना प्राप्त है।

3- LdwyLrjh; çf'k{k.k dk;ZØe

इस कार्यक्रम के चौथे चरण में विद्यालयवार बाल प्रेरकों का 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संकुल स्तर पर होना था। जनवरी माह तक 35 जिलों में संकुल स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न होने की सूचना प्राप्त है। 03 जिले जहाँ संकुल स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारम्भ नहीं हुआ है वे हैं– औरंगाबाद, गोपालगंज, सहरसा।
अभी तक कुल 2,02,795 बाल प्रेरकों को प्रशिक्षित किये जाने की जानकारी शिक्षा विभाग के माध्यम से प्राप्त हो चुकी है।

4- fo|ky;ksa esa lqjf{kr 'kfuokj dk fØ;kUo;u

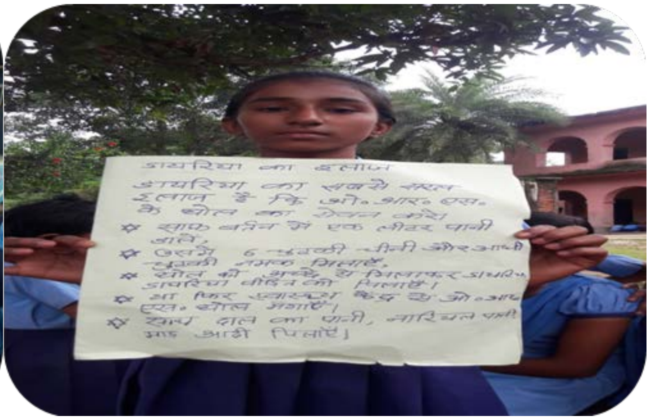

इस कार्यक्रम के अंतिम चरण में विद्यालयों में सुरक्षित शनिवार की वार्षिक सारणी के अनुसार प्रत्येक शनिवार को बाल प्रेरकों एवं फोकल शिक्षकों के माध्यम से विद्यालयों में आपदा सम्बन्धी जागरूकता कार्यक्रम चलाना था। बिना शिक्षा परियोजना परिषद में प्राप्त सूचनानुसार अभी तक 35 जिलों में विद्यालयों में सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम का क्रियान्वयन प्रारम्भ हो चुका है। शेष जिलों में इस कार्यक्रम का प्रारंभ करने हेतु शिक्षा विभाग से अनुरोध किया गया है।

सुरक्षित शनिवार के क्रियान्वयन दस्तावेज में वर्णित वार्षिक सारणी के अनुसार जनवरी माह के प्रथम शनिवार को बिहार के विभिन्न विद्यालयों में ''शीतलहर से खतरे एवं इससे बचाव के उपाय की जानकारी'' के बारे में फोकल शिक्षकों एवं बाल प्रेरकों के द्वारा जानकारी दी गयी। जनवरी माह के दूसरे शनिवार को रेल सड़क दुर्घटना से खतरे एवं उपाय के सन्दर्भ में जानकारी'' के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी। तीसरे शनिवार को "भूकंप के सन्दर्भ में कौशल विकास एवं प्रशिक्षण तथा अभ्यास (मॉक ड्रिल)'' के बारे में जानकारी दी गयी। चौथे शनिवार को ''बाल अधिकार, बाल विवाह, बाल शोषण तथा बच्चों से छेड़छाड़ के सन्दर्भ में जानकारी'' दी गयी के सन्दर्भ में जानकारी दी गयी।

सुपौल, मधेपुरा एवं गया में जिला स्तरीय समिति गठित करने की सूचना प्राप्त हो चुकी है।

5- dk;Øe dk vuqJo.k gsrq iksVZy dk fuekZ.k

चूँकि यह कार्यक्रम राज्य के सभी सरकारी एवं निजी प्राथमिक/मध्य विद्यालयों एवं मदरसों में नियमित रूप से संचालित किया जाना है, अतएव कार्यक्रम के अनुश्रवण हेतु यूनिसेफ के सहयोग से एक पोर्टल के निर्माण पर काम चल रहा है। इस पोर्टल पर फोकल शिक्षकों द्वारा विद्यालयों में आपदा जोखिम न्यूनीकरण हेतु किए गए नवाचार एवं गतिविधियों को भी साझा करने की सुविधा रहेगी ताकि फोकल शिक्षक एक दूसरे से सीख सकें।

6- lqjf{kr 'kfuokj 0gkV~l ,i xzqi

सुरक्षित शनिवार के अंतर्गत प्रत्येक शनिवार विद्यालयों में आयोजित गतिविधियों को एक दूसरे से साझा करने एवं सीखने–सीखाने के लिए व्हाट्स एप (whatsapp) ग्रुप बनाया गया है। फोकल शिक्षक एवं मास्टर प्रशिक्षक इस माध्यम का भरपूर उपयोग कर रहे हैं।

(C) ukfodksa ,oa uko ekfydksa dk izf'k{k.k

प्राधिकरण द्वारा राज्य स्तर पर प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स के माध्यम से चयनित 29 जिलों में जिला प्रशासन द्वारा आपदा प्रबंधन विभाग के वित्तीय सहयोग से नाविकों एवं नाव मालिकों को सुरक्षित नौका चालन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिला स्तरीय प्रशिक्षण हेतु प्राधिकरण द्वारा विकसित हस्त पुस्तिका सभी नाविकों एवं नाव मालिकों को उपलब्ध करायी गयी है एवं करायी जा रही है एवं प्रशिक्षण का अनुश्रवण किया जा रहा है। जिलों से प्राप्त सूचनानुसार गत माह दिसम्बर तक 27 जिलों के कुल 5324 नाविकों एवं नाव मालिकों को प्रशिक्षित किया गया है। जनवरी माह में प्रशिक्षण प्रशिक्षित नाविकों एवं नाव मालिकों की सूची प्राप्त नही हुई है।

अनुश्रवण के दौरान सूचना प्राप्त है कि सीतामढ़ी जिले में भी प्रशिक्षण सम्पन्न हो चुका है, परन्तु प्रशिक्षितों की संख्या एवं विवरणी प्राप्त नहीं हो सकी है।

नालंदा जिले में प्रशिक्षण कार्यक्रम निर्धारित कर लेने हेतु जिला पदाधिकारी से लगातार अनुरोध किया जा रहा है, परंतु अभी तक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ नहीं हो सका है।

(D) ukdkvk d fuc/ku gr fuc/kdk@lo{kdk dk if'k{k.k

नौकाओं के सर्वेक्षण एवं निबंधन हेतु विभिन्न जिलों में आदर्श नौका नियमावली के प्रावधानों के अनुसार संबंधित जिला पदाधिकारियों द्वारा अधिसूचित निबंधकों/सर्वेक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के अर्न्तगत गत दिसम्बर माह तक कुल 20 बैचों में 22 (अति बाढ़ प्रवण एवं बाढ़ प्रवण) जिलों के कुल 456 निबंधकों/सर्वेक्षकों का प्रशिक्षण NINI, (गायघाट, पटना) में कराया जा चुका है। जनवरी 2019 की प्रगति निम्नवत् हैः—

l= l[;k	frfFk	if'k{k.k e 'kkfey ftys	LFkku	dy if'kf{kr if'k{k
1.	09.01.2019 से 11.01.2019	सीतामढ़ी/दरभंगा/भागलपुर/मुंगेर	NINI गाय घाट, पटना	17
2.	23.01.2019 से 25.01.2019	भागलपुर/मधेपुरा		21
		dy		38

इस प्रकार जनवरी माह तक 22 बैचों में 24 जिलों के कुल 456+38=494 निबंधकों/सर्वेक्षकों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(E) NB iwtk 2018 vk;kstu ds fy, dh xbZ rS;kfj;ksa ds ckjs esa ifjppkZ ,oa iwys[kuA

छठ पूजा 2018 के आयोजन के लिए पटना जिले की चिन्हित छठ पूजा समितियों द्वारा की गई तैयारियों के बारे में परिचर्चा एवं भविष्य में होने वाली छठ पूजा के लिए तैयारियों के संबंध में आवश्यक सुझावों को प्राप्त किये जाने हेतु दिनांक 18.01.2019 को प्राधिकरण के सभागार में एक बैठक आयोजित की गयी। पूजा समिति के सदस्यों द्वारा छठ पूजा 2018 के आयोजन हेतु की गयी तैयारियों एवं किये गए सुरक्षा के उपायों के संबंध में अपने–अपने अनुभवों को साझा किया गया। इस परिचर्चा के आलोक में छठ पूजा को आपदा राहित सम्पन्न करने हेतु प्रलेखन का कार्य किया जा रहा है।

(F) lM+d lqj{kk lIrkg ¼04&10 Qjojh½ dh rS;kjh cSBd

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा þ30ok¡ lM+d lqj{kk lIrkg 2019ß के आयोजन की तिथि की घोषणा दिनांक 4–10 फरवरी 2019 तक की गई है। उक्त के आलोक में बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा सड़क सुरक्षा सप्ताह 2019 में संपन्न की जाने वाली गतिविधियों पर चर्चा करने हेतु तैयारी बैठक का आयोजन दिनांक 16 जनवरी 2019 को प्राधिकरण के सभागार कक्ष में आयोजित किया गया था। इस बैठक में राज्य स्तर, जिला स्तर एवं विभिन्न संस्थानों के पदाधिकारियों ने इस बैठक में भाग लिया।

प्रतिभागियों द्वारा सड़क सुरक्षा सप्ताह 2019 के आयोजन हेतु अपने विचार व्यक्त किये गये एवं प्राप्त सुझावों पर विचार करके राज्य स्तर एवं जिले स्तर पर की जाने वाली गतिविधियों के बारे में निर्णय लिया गया।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(G) vkink tkf[ke U;uhdj.k ,oa ic/ku fo"k; ij ipk;r ifrfuf/k;ksa dk if'k{k.k dk;Øe %&

jkT; Lrj ij if'kf{kr ekLVj Vsuj }kjk ftyk e i[kM Lrjh; if'k{k.k

पंचायती राज संस्थानों के जन प्रतिनिधियों के प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण हेतु प्राधिकरण द्वारा जिलों को आवश्यक वित्तीय सहयोग दिया जा रहा है। अब तक निम्नांकित जिलों में प्रखंड स्तर पर जन प्रतिनिधियों को प्रशिक्षित किए जाने की सूचना प्राप्त हैः–

1. मधुबनी 2. मधेपुरा 3. दरभंगा 4. पूर्वी चम्पारण 5. सुपौल 6. पटना 7. सारण 8. सहरसा 9. सीतामढ़ी, 10. शिवहर 11. किशनगंज 12. नालंदा 13. सिवान 14. समस्तीपुर 15. मुजफ्फरपुर 16. वैशाली 17. बांका 18. जहानाबाद 19. कटिहार 20. पश्चिमी चम्पारण 21. बक्सर 22. अररिया 23. औरंगाबाद 24. अरवल 25. नवादा 26. खगड़िया 27. शेखपुरा 28. कैमूर 29. भागलपुर 30. बेगूसराय 31. पूर्णिया 32. रोहतास 33. जमुई 34. मुंगेर 35. गोपालगंज 36. भोजपुर 37. लखीसराय।

उपर्युक्त जिलों से प्रशिक्षित पंचायत प्रतिनिधियों के आँकड़े विहित प्रपत्र में प्राधिकरण को भेजने हेतु अनुरोध किया गया है एवं उन सभी जिलों से यह भी अनुरोध किया गया है कि प्रशिक्षित पंचायत प्रतिनिधियों का डाटा बेस तैयार कर जिला के वेबसाईट पर अपलोड किया जाय। अभी तक मात्र मधुबनी, मुजफ्फरपुर, शिवहर, सारण, जहानाबाद, पूर्वी चम्पारण, सुपौल, बांका एवं समस्तीपुर जिले से विहित प्रपत्र में प्रशिक्षण का ऑकड़ा प्राप्त हुआ है।

इन 9 जिलों से प्राप्त प्रशिक्षित पंचायत प्रतिनिधियों की संख्या निम्नवत् हैः–

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

Ø0l0	ftyk dk uke	ftyk ifj"kn lnL; ¼i[k.M {k= e if'kf{krk dh l0½	ipk;r lfefr lnL; ¼i[k.M {k= e if'kf{krk dh l0½	ef[k;k ¼i[k.M {k= e if'kf{krk dh l0½	ljip ¼i[k.M {k= e if'kf{krk dh l0½	okM lnL; ¼i[k.M {k= e if'kf{krk dh l0½	ip ¼i[k.M {k= e if'kf{krk dh l0½	d|y if'kf{krk dh l0
1	मधुबनी	56	539	371	378	5149	5127	11620
2	मुजफ्फरपुर	25	288	263	207	1627	1291	3701
3	शिवहर	1	48	30	35	558	540	1212
4	सारण	6	294	273	239	3897	3139	7848
5	जहानाबाद	4	87	78	85	968	927	2149
6	पूर्वी चम्पारण	10	271	236	262	3234	2553	6566
7	सुपौल	15	198	146	145	1766	1631	3901
8.	बांका	13	161	117	152	1987	1912	4342
9.	समस्तीपुर	10	277	269	584	3259	3528	7927
	d|y	**140**	**2163**	**1783**	**2087**	**22445**	**20648**	**49266**

शेष जिलों से भी ऑकड़ों की मांग की गयी है।

(H) vkink tksf[ke U;wuhdj.k ,oa izca/ku fo"k; ij fcgkj ds lHkh ftyk ds p;fur iz[k.Mksa ds izeq[k ,oa ftyk ifj"kn v/;{k dk jkT; Lrjh; izf'k{k.k dk;Zde

बिहार राज्य के बहु–आपदा के संबंध में प्रखण्ड स्तर तक आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन संबंधी जागरूकता के उद्देश्य से बिहार के सभी प्रखंडों के प्रमुख एवं जिला परिषद् अध्यक्ष का ''आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन'' विशय पर राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन आरंभ किया गया है।

इस प्रशिक्षण के माध्यम से सभी प्रखंडों के प्रमुख एवं जिला परिषद् अध्यक्ष को बहु–आपदा के जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन के संबंध में जानकारी उपलब्ध करायी जा सकेगी और इसके द्वारा आपदाओं के जोखिम की पहचान कर उससे सामना करने हेतु उनका क्षमतावर्धन हो सकेगा तथा ''बिहार आपदा जोखिम न्यूनीकरण रोड मैप 2015–2030'' के उद्देश्य के अनुरूप एक ''सुरक्षित बिहार'' के संकल्प को पूरा करने में मदद मिलेगी।

प्राधिकरण द्वारा माह नवम्बर 2018 से चयनित प्रखंडों के प्रमुखों को ''आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन'' विषय पर राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है, जिसका विवरण निम्नवत हैः–

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

dze	fnukad	ifrHkkxh ftyk	ifrHkkfx;ksa dh la[;k
1	27–28 नवम्बर, 2018	मधेपुरा, मधुबनी, सुपौल, शिवहर, जमुई, रोहतास, अररिया, खगड़िया, पटना, गोपालगंज, दरभंगा, सीतामढ़ी, अरवल, पूर्वी चम्पारण, बक्सर, मुंगेर, पश्चिम चम्पारण।	20
2	6–7 दिसम्बर 2018	मधेपुरा, मधुबनी, सुपौल, अररिया, खगड़िया, पटना, गोपालगंज, दरभंगा, सीतामढ़ी, अरवल, पूर्वी चम्पारण, बक्सर, पश्चिम चम्पारण, किशनगंज, भागलपुर, गया, कटिहार, नवादा, औरंगाबाद, नालंदा, भोखपुरा, पूर्णिया, वैशाली, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, लखीसराय, जहनाबाद।	37
3	11–12 दिसम्बर 2018	मधुबनी, पटना, गोपालगंज, दरभंगा, भागलपुर, औरंगाबाद, भोखपुरा, मुजफ्फरपुर, लखीसराय, अरवल, जहनाबाद, सारण, रोहतास, सिवान।	15
4	17–18 दिसम्बर, 2018	कैमूर, पूर्वी चम्पारण, शिवहर, कटिहार, सहरसा, रोहतास, जहनाबाद, गया, किशनगंज, सुपौल, खगड़िया, सारण, लखीसराय, पटना, सिवान, वैशाली, नालन्दा, मधुबनी, समस्तीपुर, भोजपुर, भागलपुर।	29
5.	27–28 दिसम्बर, 2018	नालन्दा, मधेपुरा, दरभंगा, लखीसराय, रोहतास, भोखपुरा, औरंगाबाद, भागलपुर, सिवान, सारण, भोजपुर, मुजफ्फरपुर, सुपौल, बेगूसराय, पश्चिम चम्पारण, कैमूर, पटना।	26
6.	3–4 जनवरी, 2019	अररिया, कटिहार, पटना, जहनाबाद, भोजपुर, पूर्वी चम्पारण, नवादा, मधुबनी, सुपौल, नालन्दा, गया, मुजफ्फरपुर, बक्सर, सहरसा,	28

		लखीसराय, सारण, बांका, समस्तीपुर, दरभंगा, शिवहर, भोखपुरा, मधेपुरा, गोपालगंज, भागलपुर	
7.	11—12 जनवरी, 2019	दरभंगा, गया, पूर्णिया, मुंगेर, रोहतास, कटिहार, सुपौल, नालन्दा, भोजपुर, मधुबनी, औरंगाबाद, पूर्वी चम्पारण, सारण, पश्चिम चम्पारण	17
8.	17—18 जनवरी, 2019	कटिहार, नवादा, बेगूसराय, गया, भोजपुर, समस्तीपुर, पटना, पूर्वी चम्पारण, मधेपुरा	13
9.	30—31 जनवरी, 2019	खगड़िया, गया, वैशाली, पटना, मुजफ्फरपुर, भोजपुर, कटिहार, समस्तीपुर, सुपौल, कैमूर	21
		कुल	206

इस प्रकार माह जनवरी 2019 तक कुल 206 प्रखंड प्रमुखों को प्रशिक्षित किया गया है।

(I) "Management of Animal in Emergencies" विषय पर बिहार पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग के पशु चिकित्सकों का चार दिवसीय प्रशिक्षण।

बिहार एक बहु–आपदा प्रवण राज्य है, जहाँ सभी तरह की प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदाएं घटित होती है। यह राज्य जहाँ एक ओर लगभग हर वर्ष बाढ़ के प्रकोप को झेलता है वहीं दूसरी ओर सुखाड़, अग्निकांड, शीतलहर एवं लू इत्यादि आपदओं से भी इस राज्य का एक बड़ा भू–भाग प्रभावित रहता है। इन आपदाओं से मानव ही नहीं बल्कि पशु भी प्रभावित होते है और आपदाओं की स्थिति में मानव के साथ–साथ पशु संसाधन की भी बड़े पैमाने पर क्षति होती है। यद्यपि की आपदाओं को घटित होने से रोका तो नही जा सकता है, किन्तु इनसे होने वाली क्षति को कम करने के लिए पशु चिकित्सकों का कौशल विकास कर तथा आपदाओं के खतरों की पहचान कर पशुधन की सुरक्षा का समुचित प्रबंधन किया जा सकता है।

उपर्युक्त वस्तुस्थिति के मद्देनजर ''आपात स्थिति में पशु प्रबंधन'' (Management of Animals in Emergencies) विषय पर पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, बिहार सरकार के पशु चिकित्सकों के चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग एवं बिहार भेटनरी कॉलेज के संयुक्त तत्वाधान में तथा World Animal Protection (WAP) और Policy Perspectives Foundation (PPF) के सहयोग से दिनांक 04 जून, 2018 से आरम्भ किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य है कि बहु–आपदाओं की स्थिति में आपदा के पहले, आपदा के दौरान एवं आपदा के बाद में किस तरह से पशुओं की सुरक्षा एवं प्रबंधन किया जाय। जनवरी माह तक कुल 18 बैचो का प्रशिक्षण निम्नानुसार आयोजित किया गया हैः–

c/p l[;k	fnukd	ifrHkkfx;k dh l[;k
1	4–7 जून, 2018	35
2	15–18 जून, 2018	35
3	20–23 जून, 2018	35
4	27–30 जून, 2018	35
5	11–14 जुलाई, 2018	35
6	16–19 जुलाई, 2018	35
7	23–26 जुलाई, 2018	35
8	28–31 जुलाई, 2018	35
9	17–20 सितम्बर, 2018	34
10	26–29 सितम्बर, 2018	35
11	3–4 अक्टूबर, 2018	34

12	7–10 अक्टूबर, 2018	30
13	11–14 अक्टूबर, 2018	35
14	2–5 जनवरी, 2019	35
15	7–10 जनवरी, 2019	35
16	16–19 जनवरी, 2019	35
17	21–24 जनवरी, 2019	35
18	28–31 जनवरी, 2019	35
	d|y	623

(J) HkwdEi lqj{kk lIrkg] ¼15&21 tuojh½

बिहार सरकार द्वारा वर्ष 2012 में जारी संकल्प के क्रम में 15–21 जनवरी तक भूकम्प सुरक्षा सप्ताह का आयोजन पूरे राज्य में बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सौजन्य से किया गया। इस अवसर पर सप्ताह के दौरान 2 दिन राज्य के प्रमुख समाचार पत्रों जिनमें दो हिन्दी एक अंग्रेजी, उर्दू के समाचार पत्र शामिल है, में भूकम्प सुरक्षा एवं सुरक्षित निर्माण आधारित एडवाइजरी प्रकाशित किया गया।

भूकम्प सुरक्षा सप्ताह के दौरान पटना के महत्वपूर्ण शिक्षण संस्थानों निफ्ट पटना, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के ए0एन0 कॉलेज और पटना विश्वविद्यालय के पटना वीमेन्स कॉलेज में भूकम्प सुरक्षा मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। ए0एन0 कॉलेज एवं पटना वीमेन्स कॉलेज में करीब 4000–4000 विद्यार्थियो ने भाग लिया। पटना स्थित नालंदा मेडिकल कॉलेज परिसर में भी भूकम्प सुरक्षा मॉकड्रिल का आयोजन किया गया जिसमें वहाँ के शिक्षकों, डॉक्टरों के अलावा मरीजों के परिजनों ने भी भाग लिया। उक्त सभी मॉकड्रिल बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तत्वावधान में एन0डी0आर0एफ0, एस0डी0आर0एफ0, स्वास्थ्य विभाग, ट्रैफिक पुलिस, अग्निशाम सेवाएँ, पुलिस विभाग और रूबन हॉस्पीटल के सहयोग से किया गया। इस क्रम में भूकम्प सुरक्षा को लेकर दिनांक 20 जनवरी, 2019 को पटना के ए0एन0 कॉलेज से राजधानी वाटिका (इको पार्क) तक भूकम्प सुरक्षा जागरूकता रैली का आयोजन किया गया साथ ही दिनांक 21 जनवरी, 2019 को इको पार्क में करीब 400 छात्र–छात्राओं के बीच भूकम्प सुरक्षा विषय को लेकर पेंटिग एवं नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया साथ ही विभिन्न विद्यालयों के छात्र–छात्राओं के बीच क्विज का भी आयोजन किया गया साथ ही पूरे सप्ताह पटना के विभिन्न स्थानों पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया जो निम्न है:–

fnukad	LFkku ¼1½	LFkku ¼2½	LFkku ¼3½
15.01.2019	निफ्ट, पटना	पटना हाई स्कूल, गर्दनीबाग	फुलवारीशरीफ प्रखंड
16.01.2019	ए0एन0 कॉलेज, पटना	पी0एण्ड मॉल, पाटलिपुत्रा	पाटलिपुत्रा मैदान
17.01.2019	एस0के0 पुरी पार्क	तारामंडल	पटना जंक्शन
18.01.2019	एन0एम0सी0एच0	कुम्हरार पार्क	राजेन्द्रनगर रेलवे स्टेशन
19.01.2019	गुरूद्वारा, पटनासिटी	पटना विश्वविद्यालय	विस्कोमान भवन गोलम्बर, गांधी मैदान
20.01.2019	इक्को पार्क	जे0डी0 विमेन्स कॉलेज, पटना	सगुना मोड़
21.01.2019	सचिवालय	इक्को पार्क	मगध महिला कॉलेज

इस अवसर पर राज्य के सभी जिलों में भूकम्प सुरक्षा जागरूकता रैली, मॉकड्रिल, समुदायों के बीच जागरूकता कार्यक्रम एवं समाचार पत्रों में Advisory के माध्यम से जागरूकता के कई कार्यक्रम कराये गये।

(K) lkeqnkf;d Lo;alsodksa dk vkinkk fjLikal ij izf'k{k.k dk;Øe

किसी भी आपदा के समय समुदाय सर्वप्रथम रिस्पांडर होता है। आपदा से जानमाल का नुकसान न्यून हो, इसके लिए जरूरी है कि आपदा प्रबंधन तथा रिस्पांस Mechanism की जानकारी समुदाय के प्रत्येक लोगों को हो।

इसी परिप्रेक्ष्य में NDMA, नई दिल्ली द्वारा संपोषित एवं बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा संचालित "Training of Community Voluntreers for Disaster Response" (आपदा मित्र) कार्यक्रम के अंतर्गत 9 NDRF, बिहटा द्वारा अभी तक सुपौल जिले के 200 एवं सीतामढ़ी जिले के 105 सामुदायिक स्वयंसेवकों प्रशिक्षुओं का प्रशिक्षण पूर्ण हुआ है। इस प्रशिक्षण के तहत आपदा रिस्पांस से संबंधित विभिन्न पहलुओं जैसे – आपदा के प्रकार एवं प्रभाव, आपदा प्रत्युत्तर, Early Warning System एवं इसका महत्व, Rope Rescue Technique, बाढ़ बचाव तकनीक, Boat Handling Technique, तैराकी, अस्पताल पूर्व चिकित्सा तकनीक आदि के बारे में प्रतिभागियों को बताया गया।

इस प्रशिक्षण में प्रतिभागियों ने बढ़–चढ़कर उत्साह के साथ हिस्सा लिया है एवं शपथ ली कि वे आपदा रिस्पांस के समय इसका उपयोग करेंगे। यह प्रशिक्षण आपदा जोखिम न्यूनीकरण के क्षेत्र में बिहार राज्य और हमारे देश के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

(L) "Sustainable Reduction in Disaster Risk (SRDR)"

NDMA, नई दिल्ली द्वारा संपोषित एवं बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा दो जिलों के माध्यम से संचालित "Sustainable Reduction in Disaster Risk (SRDR)" परियोजना के तहत यह कार्यक्रम बिहार राज्य के समस्तीपुर एवं खगड़िया, दो जिलों में चलाया जा रहा है। कार्यक्रम के अंतर्गत आपदा जोखिम न्यूनीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया गया तथा खगड़िया के सभी ब्लॉक में आपदा रिस्पांस हेतु कमिटि का गठन किया गया, भूकम्प सुरक्षा सप्ताह मनाया गया एवं खतरनाक नदियों और सड़क क्षेत्र को चिन्हित किया गया। समस्तीपुर में भूकम्प सुरक्षा सप्ताह मनाया गया, HRVCA - Hazard Risk Vulnerability Capacity Assesment के तहत सभी प्रखंडों में से एक–एक गाँव का चयन किया गया एवं खतरनाक नदियों और सड़क क्षेत्र को चिन्हित किया गया।

(M) fcgkj HkdEiekih r= dk ixfr fooj.k

1. भूकम्प दूरमापी तंत्र का केन्द्र पटना विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित करने के संबंध में पटना विश्वविद्यालय एवं बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के बीच एक Memorandum of Understanding (MoU) हस्ताक्षरित किया जाना लंबित है। विश्वविद्यालय प्रशासन एवं कुलपति से लगातार सम्पर्क किया जा रहा है। इसी बीच केन्द्र के भवन निर्माण हेतु पटना विज्ञान महाविद्यालय परिसर में जगह चिन्हित कर ली गयी है।

बिहार भवन निर्माण निगम ने सूचित किया है, कि कतिपय कारणों से संग्रहण केन्द्र के भवन निर्माण के कार्य हेतु निविदा पुनः आमंत्रित की गई है। कार्य के नये संवेदक को आवंटन के उपरान्त भवन निर्माण का कार्य प्रारंभ होगा।

2. दस क्षेत्रीय वेधशालाओं में छः में निर्माण कार्य सम्पूर्णता की ओर है। मोतीहारी, मुजफ्फरपुर, गोपालगंज एवं छपरा में भवन निर्माण का कार्य पूरा होने के उपरान्त भूकम्पीय पिलर का भी निर्माण किया जा चुका है क्षेत्रीय वेधशाला पूर्णिया में Roof Level तक का कार्य पूरा किया जा चुका है तथा क्षेत्रीय वेधशाला पटना में Roof Casting का कार्य जारी है।

अन्य चार वेधशालाओं के भवन निर्माण के संबंध में, बिहार भवन निर्माण निगम ने सूचित किया है कि कतिपय कारणों से निविदा पुनः आमंत्रित की गयीं है। नये संवेदक/संवेदकों को कार्य के पुनः आवंटन के उपरान्त भवनों का निर्माण कार्य प्रारंभ होगा।

3. क्षेत्रीय वेधशालाओं एवं संग्रहण केन्द्र का निर्माण होने पर मशीनों का क्रय एवं अधिष्ठापन किया जाएगा। प्राधिकरण द्वारा गठित उच्च स्तरीय तकनीकी समिति द्वारा आवश्यक मशीनों का निर्धारण कर दिया गया है।

(N) Mass Messaging/Whatsapp Advisory

दिसम्बर माह में प्राधिकरण द्वारा ''BM l; cpu d; mik;^^ एवं ^^'khrygj l; d;l; cp; पर Mass Messaging किया गया जो निम्नांकित हैः– पंचायत प्रतिनिधियों, मुखिया, पंचों, वार्ड सदस्यों, सरपंचों, पंचायत समिति सदस्यों, जिला परिषद् सदस्योंः–(643122), आशा कर्मचारियों (77542), जीविका दीदी (148890), आंगनबाड़ी सेविका (45946), प्राधिकरण द्वारा प्रशिक्षित फायर सर्विसेस (142)

fcgkj jkT; vkink izca/ku izkf/kdj.k }kjk izf'kf{kr%& फोकल टीचर (1542), नाविक एवं नाव मालिक (3520), मुखिया और सरपंच (968), अभियंत्ता (785), मैसन (2529), आदि लोगों को Mass Messaging द्वारा जागरूक किया गया।

iz'kklu%& DM (38), ADM (38), BDO (534), CO (534), DCLR (102), Commisioners (9)

मुख्यमंत्री स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत सुरक्षित शनिवार की Monitoring के लिए बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा हर सप्ताह वार्षिक सारणी पर आधारित Mass Messaging किया जा रहा है।

BM l cpu d mik;%&

बाहर जाना हो तो समुचित गर्म कपड़े पहन कर ही निकलें।
सिर, हाथ एवं पैर को भी ठीक तरह से ढ़क लें।

शरीर का तापमान ठीक रखने के लिए पौष्टिक आहार एवं
गर्म पेय पदार्थों का सेवन करें।

उच्च रक्तचाप, मधुमेह के मरीज तथा ह्दय रोगी चिकित्सक की सलाह
जरूर लेते रहें तथा सामान्यता धूप होने पर ही घर से बाहर निकलें।

विशेष परिस्थिति उत्पन्न होने पर नजदीकी अस्पताल से चिकित्सीय परामर्श लें।

'khrygj l dl cp%&

बाहर जाना हो तो समुचित गर्म कपड़ों को पहनकर ही निकेलें।
सिर, चेहरा, हाथ एवं पैर को भी ठीक तरह से ढ़क लें।

शरीर का तापमान ठीक रखने के लिए पौष्टिक आहार एवं गर्म पेय पदार्थों का सेवन करें।

शीतलहर के दौरान बच्चे व वृद्ध घर से बाहर कम निकलें।
उच्च रक्तचाप, मधुमेह के मरीज तथा ह्दय रोगी की सलाह
जरूर लेते रहें तथा सामान्यता धूप होने पर ही घर से बाहर निकलें।
विशेष परिस्थिति उत्पन्न होने पर नजदीकी अस्पताल से चिकित्सीय परामर्श लें।
समाचार पत्र/रेडियो/टेलीविजन के माध्यम से मौसम की जानकारी लेते रहें।

Hkdai l lj{kk d mik;%&

भयभीत न हों, शांत रहें।
यदि घर के अंदर के अंदर/स्कूल में हों तो, मजबूत
मेज/डेस्क/चौकी/पलंग के नीचे शरण लें तथा इसे कस कर पकड़ लें।
भूकंप रूकने पर घर से बाहर खेले मैदान में चलें जायें।
यदि घर/स्कूल के बाहर हों तो इमारतों, पेड़ों एवं बिजली के खम्भों से दूर रहें।
रेडियो/टीवी द्वारा आवश्यक सूचना एवं निर्देश पर ध्यान दें।
सजग रहें,सचेत रहें।
खुद बचें और दूसरों को बचाएं।

lqjf{kr ?kj&lqjf{kr ifjokj

लोग भूकंप से नहीं मरते, कमजोर घरों के ढ़हने से मरते हैं।
भूकंप की दृष्टि से अपने कमजोर घरों को मजबूत करवा लें।
सही सामग्री और सही तरीका से भवनों को भूकम्रोधी बनावाएँ।
10 ईच से कम मोटी दीवारों पर कंक्रीट की छत का भार न डालें।

e[;e=h fo|ky; lqj{kk dk;Øe d vUrjxr Hkt x; elt iFke 'kfuokj

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम–सुरक्षित शनिवार के अन्तर्गत इस शनिवार दिनांकः–05.01.2019 को बिहार के सभी विद्यालयों के चेतना सत्र में बच्चों को शीतलहर से बचाव के बारे में जानकारी दी जाएगी तथा उसका अभ्यास कराया जाएगा।

कृपया अपने क्षेत्रान्तर्गत विद्यालयों में देखें कि तद्नुसार इस शनिवार को संबंधित कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

आपका थोड़ा–सा सहयोग बच्चों को आपदओं से सुरक्षित रखने हेतु मूल्यवान है। निम्नलिखित नम्बर पर मैसेज भेजे गयेः– मुखिया सरपंच, प्रमुख (बिहार राज्य आपदा प्रबंधन द्वारा प्रशिक्षित)–1,169, शिक्षितः–(बिहार राज्य आपदा प्रबंधन द्वारा प्रशिक्षित)– 1,542, DPO- 80
DM(38).ADM(38),BDO(534),CO(534),DCLR(102),Commisioners(9).
1,255 .

nlj 'kfuokj

e[;e=h fo|ky; lj{kk dk;Øe%&

सुरक्षित शानिवार के अन्तर्गत इस शनिवार दिनांकः– 12.01.2019 को बिहार के सभी विद्यालयों के चेतना सत्र में बच्चों को रेल/सड़क दुर्घटना से खतरे एवं उपाय के संदर्भ में जानकारी दी जाएगी तथा उसका अभ्यास कराया जाएगा।

कृपया अपने क्षेत्रान्तर्गत विद्यालयों में संबंधित कार्यक्रम के आयोजन में सहयोग करें।

आपका थोड़ा सा सहयोग बच्चों को आपदाओं से सुरक्षित रखने हेतु मूल्यवान है। निम्नलिखित नम्बर पर मैसेज भेजे गयेः– मुखिया सरपंच, प्रमुख (बिहार राज्य आपदा प्रबंधन द्वारा प्रशिक्षित)–1,169, शिक्षितः–(बिहार राज्य आपदा प्रबंधन द्वारा प्रशिक्षित)– 1,542, DPO- 80

DM(38).ADM(38),BDO(534),CO(534),DCLR(102),Commisioners(9).
1,255 .

rhljk 'kfuokj

मुख्यमंत्री विद्यालयों सुरक्षा कार्यक्रम–सुरक्षित शनिवार के अन्तर्गत इस शनिवार को बिहार के सभी विद्यालयों के चेतना सत्र. में बच्चों को बाल अधिकार, बाल विवाह, बाल शोषण तथा बच्चों से छेड़छाड़ के सन्दर्भ में जानकारी दी जाएगी तथा उसका अभ्यास कराया जाएगा।

कृपया अपने क्षेत्रान्तर्गत विद्यालयों में देखें कि तद्नुसार इस शनिवार को संबंधित कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

आपका थोड़ा–सा सहयोग बच्चों को आपदाओं से सुरक्षित रखने हेतु मूल्यवान है। निम्नलिखित नम्बर पर मैसेज भेजे गयेः– मुखिया सरपंच, प्रमुख (बिहार राज्य आपदा प्रबंधन द्वारा प्रशिक्षित)–1,169, शिक्षितः–(बिहार राज्य आपदा प्रबंधन द्वारा प्रशिक्षित)–1,542, DPO- 80
DM(38).ADM(38),BDO(534),CO(534),DCLR(102),Commisioners(9).
1,255 .

pkSFkk 'kfuokj& 26 tuojh ¼vodk'k½

ikposa 'kfuokj

मुख्यमंत्री विद्यालयों सुरक्षा कार्यक्रम सुरक्षित शनिवार के अन्तर्गत इस शनिवार को बिहार के सभी विद्यालयों के चेतना सत्र में बच्चों को स्वच्छता के संबंध में जानकारी दिया जाना तथा उसका अभ्यास कराया जाना है।

कृपया अपने क्षेत्रान्तर्गत विद्यालयों में देखें कि इस शनिवार को संबंधित कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

आपका थोड़ा–सा सहयोग बच्चों को आपदाओं से सुरक्षित रखने हेतु मूल्यवान है।

निम्नलिखित नम्बर पर मैसेज भेजे गयेः– मुखिया सरपंच, प्रमुख (बिहार राज्य आपदा प्रबंधन द्वारा प्रशिक्षित)–1,169, शिक्षितः–(बिहार राज्य आपदा प्रबंधन द्वारा प्रशिक्षित)–1,542, DPO- 80
DM(38).ADM(38),BDO(534),CO(534),DCLR(102),Commisioners(9).
1,255